२.सन्दर्भग्रन्थसूचिः

२.सन्दर्भग्रन्थसूचिः

(१) अग्निपुराणम्- महर्षि वेदव्यास प्रणीत, व्याख्याकारः - आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, २००४।

(२) अथर्ववेद – पं. क्षेमकरणदास त्रिवेदी, सार्वदेशिक आर्य-प्रतिनिधि-सभा, नई दिल्ली, २००१।

(३) अपराजितपृच्छा – भुवनदेवचार्य विरचितम्, सं.-पी. ए. मान्कड, गायकवाड ओरिएन्टल इन्स्टिट्युट, म.स. विश्वविद्यालयम्, वडोदरा, १९५८।

(४) अपराजितपृच्छा- भुवनदेवचार्य विरचित, सं- श्रीकृष्ण जुगनू,

(५) अर्थशास्त्रम् – वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, १९८२।

(६) अष्टाध्यायी – ब्रह्मदत्त जिज्ञासु, रामलाल कपूर ट्रस्ट, सोनीपत, सप्तमं संस्करणम्, १९७१।

(७) आगमरहस्य (पूर्वार्ध) - सम्पादकः - गङ्गाधर द्विवेदी, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर, १९६७।

(८) ऐतरेय ब्राह्मण – (सायणभाष्य)- काशीनाथ शास्त्री, आनन्द आश्रम, पूना, १९३१।

(९) ईशानशिवगुरुदेवपद्धति – ईशानशिवगुरुदेव मिश्र, सम्पादक– टी. गणपति शास्त्री, अनन्तशयन ग्रन्थमाला, राजकीय मुद्रणालय, त्रिवेन्द्रम्, १९२०–२५।

(१०) ऋग्वेद – महर्षि दयानन्द सरस्वती, सार्वदेशिक आर्यप्रतिनिधिसभा, नई दिल्ली, २०००।

(११) कलानिधि – सूत्रधार गोविन्द कृत, सम्पादकः – डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, २००६।

(१२) कात्यायन श्रौत्रसूत्र – डॉ. गोपाल शास्त्री, नेने एवं वेदाचार्य दुर्गा अनन्तराम शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, बनारस, १०३९।

(१३) कादम्बरी – (प्रथमोभागः)– डॉ. श्रीनिवासशास्त्री, डॉ. महेशचन्द्र भारतीय साहित्य भण्डार, मेरठ, १९७९।

(१४) कादम्बरी – (पूर्वार्द्धः)– डॉ. जयशङ्करलाल त्रिपाठी, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, १९९३।

(१५) काव्यमीमांशा – राजशेखरः, डॉ. गङ्गासागरराय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, द्वितीय संस्करणम्, १९७७।

(१६) काशिका – (पाणिनीय व्याकरण–सूत्रवृत्ति) भाग–१, जयादित्य, पं. बलराम शास्त्री, बनारस, १९७६।

(१७) कुण्डमण्डपसिद्धि (वास्तुशास्त्रीय समीक्षा) – डॉ. श्वेता मिश्रा, नवजीवन पब्लिकेशन, प्रथम संस्करणम्, २०११।

(१८) ज्ञानप्रकाशदीपार्णव –विश्वकर्माकृत,(गुर्जरभाषा अनुवाद) सम्पादकः – प्रभाशङ्कर ओघडभाइ सोमपुरा, गोरावाडी, पालीताणा, १९६०।

(१९) कामसूत्रम् – वात्सयन कृत, यशोधर विरचित जयमङ्गलाटीका, सं. केदारनाथ महामहोपाध्याय, निर्णयसागर यन्त्रालय, मुम्बई, द्वितीय संस्करणम्, १९००।

(२०) कामसूत्रम् – पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, प्रथम संस्करणम्, १९९९।

(२१) कामिकागम – (पूर्वभाग), सम्पादकः – डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू

(२२) कालिकापुराणम् – वेदव्यास विरचितम्, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली, १९९९।

(२३) गोपथब्राह्मण – राजेनद्रलालमिश्रः, हरचन्द्रविद्याभूषणः, कलकत्ता, १८८१।

(२४) गृहवास्तुप्रदीपः – व्याख्याकर्त्री – डॉ. शैलजा पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

(२५) चरकसंहिता – भाग–१, आचार्य विद्याधर शुक्ल, प्रो. रविदत्त त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, पुनर्मुद्रित संस्करण – २००७।

(२६) जयपृच्छा – विश्वकर्माकृत, सम्पादकः – प्रभाशङ्कर ओघडभाई सोमपुरा, पथिक सोसायटी, अहमदाबाद, १९७७।

(२७) ज्योतिषरत्नमाला – श्रीपतिभट्टविरचित, सम्पादकः अनुवादकश्च – डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, २००४।

(२८) जातक – (पाली एवं आङ्गल अनुवाद),खण्ड– १–६, ई.वी. कॉवले, कैम्ब्रिज युनिवर्सिटी प्रेस, १९०५।

(२९) जैमिनीय ब्राह्मण – आचार्य रघुवीर, डॉ. लोकेशचन्द्र, सरस्वती विहार, नागपुर, १९५४।

(३०) तन्त्रसमुच्चय – नारायणनम्बूद्रिपादप्रणीतः तथा शङ्करप्रणीतः, संशोधकः सम्पादकश्च – टी. गणपतिशास्त्री, राजकीय मुद्रणालय, त्रिवेन्द्रम्, १९१९, एवं पुनः प्रकाशनस्य सम्पादकः – प्रो.उन्नी, नाग पब्लिकेशन्स, दिल्ली, १९९९।

(३१) तैतरीय संहिता – श्रीपाद दामोदर सातवलेकरः, भारत मुद्रणालय, औँध, १९४५।

(३२) दशकुमारचरितम्– आचार्य दण्डीविरचितम्, व्याख्याकारः– श्री ताराचरण भट्टाचार्यः, श्री केदारनाथ शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी,१९६५।

(३३) दीधनिकाय – २, विपश्यना विन्यास, धम्मगिरि, इगतपुरी, प्रथमावृति, १९९३।

(३४) देवतामूर्तिप्रकरणम् – सूत्रधारमण्डनरचितम्, सम्पादकः अनुवादकश्च – डॉ.श्रीकृष्ण जुगनू, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली, २००३।

(३५) नरपतिजयचर्यास्वरोदय – कविनरपति प्रणीत, सम्पादकः – गणेशदत्तपाठकः, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, १९९९।

(३६) नारदपुराणम्– सम्पादकः– हनुमानप्रसाद पोद्दारः, गीताप्रेस गोरखपुर, कल्याणविशेषाङ्क वर्ष– २८, ई.स. १९५४।

(३७) नवसाहसाङ्कचरित – आचार्य परिमलपद्मगुप्त, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, १९६३।

(३८) नारदसंहिता – महर्षिनारदप्रणित, व्याख्याकारः –(सान्वय विमला हिन्दी टीकासहितम्), पं. रामजन्म मिश्रः, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, चतुर्थ संस्करणम्, वि.सं. २०५८।

(३९) नाट्यशास्त्रम् – भरताचार्यप्रणितम्, (अ. १–१२), सम्पादकः व्याख्याकारश्च - श्री सत्यप्रकाश शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, तृतीय संस्करणम्, १९९२।

(४०) निरुक्त – यास्काचार्यः, मेहरचन्द लछमनदास पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, द्वितीय संस्करणम्, १९८५।

(४१) पद्मपुराणम् – श्रमिद् रविषेणाचार्यः, पं. पन्नालाल जैन, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी, १९५८–५९।

(४२) प्राच्य भारतीयम् ऋतुविज्ञानम् – प्रणेतासम्पादकश्च – डॉ. धुनीराम त्रिपाठी, प्रकाशकः – डॉ. हरिश्चन्द्रमणि त्रिपाठी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः, वाराणसी, द्वितीय संस्करणम् – २००२।

(४३) पारस्करगृह्यसूत्रम् –हरिहरभाष्य – सम्पादकः – डॉ. हरिदत्तशास्त्री, भारतीय प्रकाशन, वाराणसी, १९९९।

(४४) प्रासादमण्डनम् – सूत्रधारमण्डनरचितम्, सम्पादकः – डॉ.श्रीकृष्ण जुगनू, परिमल पब्लिकेशन्स, प्रथम संस्करणम्, २००५।

(४५) प्रासादमञ्जरी – सूत्रधारनाथा विरचितम्, सम्पादकः एवं प्रकाशकः – प्रभाशङ्कर ओघडभाई सोमपुरा, पालीताणा, १९६५।

(४६) प्रमाणमञ्जरी – सूत्रधारमल्ल विरचितम्, सम्पादकः –डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी, प्रथम संस्करणम्, २००८।

(४७) बालबोधज्योतिषसारसमुच्यः – शास्त्री यज्ञदत्त दुर्गाशङ्कर ठाकरः, प्रकाशकः– अरुण यज्ञदत्त शास्त्री, वालुकेश्वरसंस्कृतपाठशाला, मुंबई, १९९६।

(४८) बुद्धचरित – अश्वघोषविरचितम्, सूर्यनारायण चौधरी, मोतिलाल बनारसीदास, चतुर्थ संस्करणम्, १९६५।

(४९) बृहत्संहिता – वराहमिहिर विरचित, पं. अच्युतानन्द झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, २००७।

(५०) बृहद्वास्तुमाला – सम्पादकः– डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, २००७।

(५१) ब्रह्मपुराणम् – तारिणीश झा, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, १९९३।

(५२) ब्रह्माण्डपुराणम् – प्रो. जगदीशलाल शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, द्वितीय संस्करणम्, १९८३।

(५३) ब्रह्मवैवर्तकपुराणम् - (सरल गुजराती भाषांतर), भाषांतरकर्ता– शास्त्री गिरिजाशङ्कर मयाशङ्कर, सस्तु साहित्य प्रवर्धक कार्यालय, अमदावाद, १०७०।

(५४) भविष्यपुराणम् - राजेन्द्रनाथ शर्मा, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली, द्वितीय संस्करणम्, १९९५।

(५५) भारतीय दुर्गविधान – (गुर्जरभाषा) प्रभाशङ्कर ओघडभाइ सोमपुरा, मधुसूदन ढांकी, प्रकाशकः– कृ. रा. शामन्तः, सोमैया पब्लिकेशन (प्रा.) लि.,मुम्बई।

(५६) भावप्रकाशः(निघण्टुयुक्त) – (भाग–१), श्रीमद्भिषग्भूषणभावमिश्र प्रणीत, व्याख्याकारः – भिषग्रत्न श्री ब्रह्मशङ्कर मिश्रः, विवरणम् – श्री रूपलालजी वैश्यः, चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी, संस्करणम् –११, वि.सं.–२०६७।

(५७) मत्स्यपुराणम् – टीकाकारः – पं.कालीचरण गौडः एवं पं. बस्तीरामजी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, पुनर्मुद्रित संस्करणम्,२००१।

(५८) मनुस्मृति – आचार्य मनुकृत, प्रो. हरिगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी, १९७०।

(५९) मनुष्यालयचन्द्रिका – नीलकण्ठविरचितम्, व्याख्याकारः – डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली, २००४।

(६०) मयमतम् – ब्रूनो डेगेन्स, इन्दिरा गाँधी नरशनल सेन्टर फॉर ध आर्ट्स, १९९७।

(६१) मयमतम् – मयप्रणीतं, डॉ. शैलजा पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, प्रथम संस्करणम् , २००७।

(६२) मयमतम् – मयविरचितम्, सम्पादकः – डॉ.श्रीकृष्ण जुगनू, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी, प्रथमसंस्करणम् , २००८।

(६३) महाभारत – (आदिपर्व), विष्णु एस. सुक्थाङ्कर, भाण्डारकर ऑरिएन्टल रिसर्च इन्स्टिट्युट, पूना, १९३३।

(६४) महाभारत – (सभापर्व), विष्णु एस. सुक्थाङ्कर, भाण्डारकर ऑरिएन्टल रिसर्च इन्स्टिट्युट, पूना, १९४४।

(६५) महाभारत – (वनपर्व), विष्णु एस. सुक्थाङ्कर, भाण्डारकर ऑरिएन्टल रिसर्च इन्स्टिट्युट, पूना, १९४२।

(६६) महाभारत – (उद्योगपर्व), विष्णु एस. सुक्थाङ्कर, भाण्डारकर ऑरिएन्टल रिसर्च इन्स्टिट्युट, पूना, १९४०।

(६७) महाभारत – (शान्तिपर्व), श्रीपाद कृष्ण बेल्वेकर, भाण्डारकर ऑरिएन्टल रिसर्च इन्स्टिट्युट, पूना, १९५४।

(६८) महाभाष्य – खण्ड–१, पं. शिवदत्तशर्माः, पं. रघुनाथशास्त्री, निर्णयसागर मुद्रणालय, मुम्बई, १९५१।

(६९) महाभाष्य – खण्ड–२, पं. शिवदत्तशर्माः, पं. रघुनाथशास्त्री, निर्णयसागर मुद्रणालय, मुम्बई, द्वितीय संस्करणम्, १९३५।

(७०) महाभाष्य – खण्ड–३, पं. शिवदत्तशर्माः, पं. रघुनाथशास्त्री, निर्णयसागर मुद्रणालय, मुम्बई, १९३७।

(७१) महाभाष्य – खण्ड–४, भार्गवशास्त्री, पं. रघुनाथशास्त्री, निर्णयसागर मुद्रणालय, मुम्बई, प्रथम संस्करणम्, १९४२।

(७२) महावस्तु (महावत्थु)– अवदान–१, डॉ.एस.बगेही, मिथिला इन्स्टीट्युट, दरभङ्गा, १९७०।

(७३) मानसार – प्रसन्नकुमार आचार्य, लॉ प्राइस पब्लिकेशन्स, दिल्ली, २००२।

(७४) मानसोल्लास – भाग–२, सोमेश्वर प्रणीत, सं. जी.के. गोन्डेकर, ऑरिएन्टल इन्स्टिट्युट, वडोदरा, १९३९।

(७५) मार्कण्डेयपुराणम् - पं. कन्हैयालाल मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, १९९५।

(७६) मालविकाग्निमित्रम् – महाकविकालिदासरचितम्, सम्पादकाः – डॉ. एल.वी.जोषी, डॉ. पी.यु.शास्त्री, डॉ. शान्तिकुमार एम.पण्डया, पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद, तृतीयावृत्तिः २००४।

(७७) मिलिन्दपञ्हो – विपश्यना विशोधना विन्यास, धम्मगिरि, इगतपुरी, प्रथमावृति, १९९८।

(७८) मुहुर्तचिन्तामणिः – रामदैवज्ञ विरचितम्, व्याख्याकारः – श्री विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, २००५।

(७९) मुद्राराक्षस – विशाखदत्तः, पं. परमेश्वरदीन पाण्डेयः, श्री अवनिकुमार पाण्डेयः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, प्रथम संस्करणम् – १९६१।

(८०) मृच्छकटिकम् – शुद्रककृत, डॉ. श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ, १९७६। एवं सम्पादिका – स्त्रग्धरा शम्भुचन्द्र नान्दी, महाजन पब्लीशिन्ग हाउस, १९५८।

(८१) मेघदूतम् – कालिदासविरचितम्, विजेन्द्रकुमार शर्मा, साहित्य भण्डार, मेरठ, द्वितीय संस्करणम्– १९९३।

(८२) यजुर्वेद – महर्षि दयानन्द सरस्वती कृत भाषा–भाष्य, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली, २००१।

(८३) युक्तिकल्पतरु – भोजराजविरचितः, सं.पं. ईश्वरचन्द्र शास्त्री, श्री शारदाचरण काव्यविनोद, दर्शनविद्यालय, कोलकत्ता, १९१७।

(८४) युक्तिकल्पतरु – भोजराजविरचितः, सं.पं. ईश्वरचन्द्र शास्त्री, कालिकातानगर्य्याम्, सिद्धेश्वरमशिनप्रेस, १९१७

(८५) युगपुराणम् – डी.आर. माण्कड, चारुतर प्रकाशन, वल्लभविद्यानगर, १९५१।

(८६) रघुवंशम् – प्रो. हरिदामोदर वेलणकर, निर्णयसागर मुद्रणालय, मुम्बई, १९४८। एवं व्याख्याकारः – डॉ. कृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, प्रथम सजिल्द संस्करणम् – २००८।

(८७) राजवल्लभवास्तुशास्त्रम् – सूत्रधार मण्डनकृत, हिन्दी अनु. – डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, प्रथम संस्करणम्, २००५।

(८८) राजवल्लभ – सूत्रधार मण्डनकृत, गुर्जरानुवादकर्ता – नारायणभारती यशवन्तभारती गोसांइ, पुनर्मुद्रण पञ्चमं, १९६५।

(८९) राजमार्तण्ड – राजाभोजप्रणित, हिन्दी अनुवादकः – डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू,

(९०) राजतरङ्गिणी – भाग–१, कल्हण/रघुनाथसिंह, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी, १९६९।

(९१) लिङ्गपुराणम् – शिवतोषिणीसंस्कृतटीकोपेतम्, सं. आचार्य जगदीशशास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, १९८०।

(९२) वायुपुराणम् – ब्रजमोहन चतुर्वेदी, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली, द्वितीय संस्करणम्, १९९५।

(९३) वाल्मीकि रामायणम् –

(९४) वाल्मीकि रामायणम् – कट्टी श्रीनिवास शास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, १९८३।

(९५) वास्तुरत्नाकर – श्रीविन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी, १९९७।

(९६) वास्तुरत्नावली – श्रीजीवनाथ झा, टीकाकारः– श्रीमदच्युतानन्द झा, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी, १९९३।

(९७) वास्तुराजवल्लभ – मण्डनसूत्रधारविरचितो, हीन्दीटिकाकारः – पं. रामयत्न ओझा, व्याख्याकारः – श्रीअनूपमिश्रः, मास्टर खेलाडीलाल संस्कृत पुस्तकालय, वाराणसी, २०००।

(९८) वास्तुमण्डनम् – सूत्रधार मण्डनकृत, सम्पादकः – डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, २००९।

(९९) वास्तुविद्या – विश्वकर्माकृत, हिन्दी अनुवादकः –श्रीकृष्ण जुगनू, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, बनारस, २००९, एवं गुर्जरटीकाकारः – प्रभाशङ्कर ओघडभाइ सोमपुरा, पथिक सोसायटी अमदावाद, १९७७।

(१००) वास्तुसौख्यम् – टोडरमल्ल विरचित, सम्पादकः – आचार्य कमलाकान्त शुक्लः, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालयः, वाराणसी, संस्करणम् –१९९९।

(१०१) वास्तुसारमण्डनम् आयतत्त्वश्च – सूत्रधारमण्डमकृत, सम्पादकः अनुवादकश्च– डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली, २००५।

(१०२) वास्तुमञ्जरी – सूत्रधार नाथा विरचित, सम्पादकः – डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, बनारस, २००६।

(१०३) गृहवास्तुप्रदीप - सं. डॉ. शैलजा पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

(१०४) विक्रमाङ्कदेवचरितम् – भाग–३, पं. विश्वनाथभारद्वाज, हिन्दू विश्वविद्यालयः, संस्कृतसाहित्य–अनुसन्धान समिति, १९६४।

(१०५) वराहपुराणम् – के.वी. शर्मा, मेहरचन्द लछमनदास पब्लिकेशन्स, दिल्ली, १९८४।

(१०६) विश्वकर्माप्रकाश - विश्वकर्माचार्यविरचितम्, हिन्दीटीकाकारः– इंजी. आचार्य शिवप्रसाद वर्मा, स्थापत्यवेद शिक्षण एवं शोध संस्थान, इन्दौर, प्रथम संस्करणम्– २००६।

(१०७) विश्वकर्मवास्तुशास्त्रम् – भगवन् विश्वकर्माविरचितम् , सम्पादकौ – श्री के. वासुदेव शास्त्री, मेजर एन.बी. गाडरे, प्रकाशकः – श्री एस. गोपालन, टी.एम.एस.एस.एम. लायब्रेरी, तान्जोर, १९५८।

(१०८) विश्वकर्मवास्तुशास्त्रम् – भगवन् विश्वकर्माविरचितम् , हिन्दी अनुवादकर्ता: – डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, प्रथम संस्करणम्, २०१०।

(१०९) विश्ववल्लभ–वृक्षायुर्वेद: – सम्पादक: व्याख्याकारश्च– डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली, प्रथम संस्करणम्, २००५।

(११०) विष्णुधर्मोत्तरपुराणम्– वो.१, तृतीय खण्ड,–critically Edited by – Dr. Priybala shah, General Editor – Mr. B.J.Sandesara, प्राच्यविद्यामन्दिरम्, म.स. युनिवर्सिटी, वडोदरा, १९९४।

(१११) विष्णुमहापुराणम् – डॉ. श्रद्धा शुक्ला, नाग प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करणम्, १९९८।

(११२) स्कन्दपुराणम् - महर्षि कृष्णद्वैपायन व्यास, मनसुखराय मोर, कलकत्ता।

(११३) श्रीमद्भागवत– पं. रामतेजपाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, १९९६।

(११४) समराङ्गणसूत्रधार - राजभोजविरचितम्, हीन्दी व्याख्याकार:– डॉ. श्रीकृष्ण जुगनू, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी, प्रथम संस्करणम्, वि.सं. २०६८, इ.स. २०११।

(११५) समराङ्गणसूत्रधार– राजभोजविरचितम्, प्रो. पुष्पेन्द्रकुमार, न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली, द्वितीय संस्करणम् – २००४।

(११६) समराङ्गणसूत्रधार- राजभोजविरचितम्, डॉ. द्विजेन्द्रनाथ शुक्लः, मेहरचन्द लछमनदास पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, १९६५।

(११७) समराङ्गणसूत्रधार वास्तुशास्त्रम् -(भवन-निवेश,प्रथमोभागः), विस्तृतमध्ययनम्, हिन्दी अनुवाद; तथा वास्तुपदावली, डॉ. द्विजेन्द्रनाथ शुक्लः, मेहरचन्द लछमनदास पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, २००८।

(११८) शिल्परत्नम् - टी. गणपति शास्त्री, गवर्नमेन्ट प्रेस, त्रिवेन्द्रम्, १९१३।

(११९) शतपथब्राह्मण- डॉ. अल्बेर्त वेबर, अनुवादकः - पं. गङ्गाप्रसाद उपाध्यायः, गोविन्दराम हासानन्द, दिल्ली, १९८८।

(१२०) सङ्गीतमकरन्दः - महर्षिनारदविरचितः, सम्पादकः - मङ्गेश रामकृष्ण तेलंग, महाराजा गायकवाड ऑफ बरोडा, सेन्ट्रल लायब्रेरी, गायकवाड ऑरीएन्टल सीरीज, बरोडा, नं. XVI, १९२०।

(१२१) शाङ्खायन श्रौतसूत्र- डबल्यू कलन्द, आग्लानुवादः, नागपुर, १९५३।

(१२२) सौन्दरानन्दकाव्य - सूर्यनारायण चौधरी, संस्कृत भवन, पूर्णिया, द्वितीय संस्करणम्, १९५९।

(१२३) शिशुपालवध – कविश्री माघ विरचितम्, श्री रामप्रताप त्रिपाठी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग, वि.सं. २००९।

(१२४) शुक्रनीति- महर्षि शुक्राचार्य विरचितम्, ब्रह्मशङ्करमिश्रः, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, वि.सं. २०५६।

(१२५) शुक्रनीति– महर्षि शुक्राचार्य विरचितम्, जगदीशचन्द्र मिश्रः, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, १९९२।

(१२६) शुल्वसूत्रम्– कात्यायन, कर्क, महीधर भाष्य, जयकृष्णदास हरिदास गुप्त, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफीस, वाराणसी, १९५८।

(१२७) हरिवंशपुराणम्– पं. रामतेज पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली, १९९६। तथा पं. रामनारायणदत्त शास्त्री पाण्डेय, 'राम', गीताप्रेस, गोरखपुर

(१२८) हर्षचरितम्– बाणभट्ट विरचितम्, श्रीमोहनदेवपन्त, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, १९९५।

हिन्दी – ग्रन्थाः

(१) कालीदास का भारत– भाग–२, भगवतशरण उपाध्याय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, १९६४।

(२) कौटिल्य कालीन भारत – आचार्य दीपङ्करः, हिन्दी–समिति–सूचना–विभाग, लखनऊ, प्रथम संस्करणम्, १९६८।

(३) पतञ्जलिकालीन भारत– डॉ. प्रभुदयाल अग्निहोत्री, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, १९६३।

(४) पाणिनिकालीन भारतवर्ष – वासुदेवशरण अग्रवाल, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, प्रथम संस्करण, वि.सं. २०१२।

(५) पुराण–विमर्श – आचार्यबलदेवउपाध्याय:, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, २००२।

(६) प्राचीन भारत, इतिहास और संस्कृति – बी.जी. गोखले, एशिया पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, १९५७।

(७) प्राचीन भारत का इतिहास – डॉ. रमाशङ्कर त्रिपाठी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, चतुर्थ संस्करण, १९६५।

(८) प्राचीनभारतीय कला एवं वास्तु – डॉ. पृथ्वीकुमार अग्रवाल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, प्रथम संस्करण–२००२, द्वितीय संस्करण–२००७।

(९) प्राचीनभारतीय संस्कृति, कला और साहित्य – डॉ. जयकिशन प्रसाद, विनोद पुस्तक मन्दिर, प्रथम संस्करणम्, १९७०।

(१०) प्राचीनभारतीय स्तूप, गूह्य एवं मन्दिर – डॉ. वासुदेव उपाध्याय, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना, प्रथम संस्करणम्, १९७२।

(११) प्राचीनभारतीय पुर निवेश (वास्तुशास्त्रीय दृष्टिकोण) – डॉ. विद्याधर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण– २०१०।

(१२) प्राचीन भारत में नगर तथा नगर–जीवन – उदयनारायण राय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, द्वितीय संस्करण – १९९८।

(१३) प्राचीन भारत में भौतिक प्रगति एवं सामाजिक संरचनाएँ – लेखक: – रामशरण शर्मा, अनुवादक: – पूरनचन्द्र पत, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली, पुनर्मुद्रित – १९९३–१९९६।

(१४) भारत का प्राचीन इतिहास – सत्यकेतु विद्यालङ्कार, सरस्वती सदन, मन्सूरी, प्रथम संस्करण, १९६०।

(१५) भारत वर्ष की मौलिक एकता – वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती भण्डार, प्रयाग।

(१६) भारतीय वस्तुकला का इतिहास – कृष्णदास वाजपेयी, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, प्रथम संस्करणं १९७२, द्वितीय संस्करणं १९९०, तृतीय संस्करणं २००२।

(१७) भारतीय संस्कृति का इतिहास – पं. भगवद्दत्त, गोविन्दराम हासानन्द, नई दिल्ली, वि.सं.– २०२२।

(१८) भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का इतिहास – डॉ.कालूरामशर्मा एवं डॉ. प्रकाश व्यास, पंचशील प्रकाशन, जयपुर, प्रथम संस्करण, २००४।

(१९) भारतीय कला – वासुदेवशरण अग्रवाल, सम्पादक – डॉ. पृथ्वीकुमार अग्रवाल, पृथ्वी प्रकाशन, वाराणसी, द्वितीय परिवर्तित संस्करण, १९७७, षष्ठमं पुनर्मुद्रण – २०१०।

(२०) भारतीय वास्तुकला – प्रो. सी.लाल, डॉ. पी.कुमार, अरुण पब्लिशिंग हाउस प्राईवेट लिमिटेड, चण्डीगढ, १९९८।

(२१) भारतीय वास्तुशास्त्र का इतिहास – डॉ. विद्याधर, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली, प्रथम संस्करण– २०१०।

(२२) भारत वर्ष का इतिहास – खण्ड–१–२, आचार्य रामदेव, स्वामी श्रद्धानन्द अनुसन्धान प्रकाशन केन्द्र, हरद्विार, चतुर्थ संस्करण, १९९६।

(२३) भारत के प्राचीन नगरो का पतन –(प्रायः ३०० ई.स. से १००० लगभग)– लेखकः– रामशरण शर्मा, अनुवादकः– सीताराम राय, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली, पटना, प्रथम संस्करण, १९९५, पुनर्मुद्रित – १९९६।

(२४) मध्यकालिन भारतीय कलाएँ एवं उनका विकास – डॉ. रामनाथ राजस्थानी, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, प्रथम संस्करणम्, १९९५।

(२५) वास्तुविद्या तथा पुर निवेश – डॉ. द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल, वास्तुवाङ्मय प्रकाशनमाला, लखनऊ, १९५५।

(२६) वेदकालीन समाज – डॉ. शिवदत्तज्ञानी, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, १९६७।

(२७) वैदिक संस्कृति – गङ्गाप्रसाद उपाध्याय, आर्य साहित्य–सदन प्रकाशन, १९५०।

(२८) वैदिक सम्पत्ति – पं. रधुनन्दन शर्मा, सार्वदेशिक आर्यप्रतिनिधिसभा, नई दिल्ली, २००१।

(२९) सार्थवाह – डॉ. मोतीचन्द्र, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, १९५३।

(३०) स्वतन्त्रकलाशास्त्र – डॉ. कान्तिचन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी, प्रथम संस्करण, वि.सं. २०२४।

(३१) हर्षचरित – एक सांस्कृतिक अध्ययन (हिन्दी)– डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, द्वितीय संस्करण– १९६४, तृतीय संस्करण– १९९९।

ENGLISH BOOKS

(1) Architecture of the Hindus- Ram Raz, Indlogical book House, S.B. Singh, Varansi, Delhi, 1972.

(2) Early Indian Architecture – Anand Kentishkumar Swami, Munshiram Manoharlal, New Delhi, 2002.

(3) The Theatre According to the Natyashastra of Bharat, by – R.P. Kulkarni, Panishka Publishers, Distributors, New Delhi, First Eedition – 2008.

(4) Vastu-Shastra – Vol. I, Hindu Science of Architecture, D.N. Shukla, Munshi Ram

Manohar Lal Publisheres pvt. Ltd., New Delhi, 1998.

कोश- ग्रन्थाः

(१) अमरकोश – अमरसिंहप्रणित, सम्पादकः भाष्यकारश्च – डॉ. सत्यदेवमिश्रः एवं आचार्य कृष्णमित्रः।

(२) अभिधान राजेन्द्र कोश – विजयराजेन्द्र सूरि, अभिधान राजेन्द्र कार्यालय, रतलाम, १९२४।

(३) अमरकोश – अमरसिंहप्रणित, सम्पादकः भाष्यकारश्च – श्री मन्नलालः अभिमन्यु, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, १९९५।

(४) इग्लिश – संस्कृत–शब्दकोश – श्री एम.मोनियर विलियम्स, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस्, वाराणसी, १९६५।

(५) एनसायक्लोपीडिया ऑफ हिन्दू आर्किटेक्चर – पी. के. आचार्य, लॉ प्राइस पब्लिकेशनन्स, दिल्ली, २००१।

(६) डिक्शनरी ऑफ पालि प्रॉपर नेम्स – जी.पी. मललसेकर, पालि टेक्स्ट सोसायटी, लुजाक एण्ड कंपनी लिमिटेड, लण्डन, १९६०।

(७) पद्मचन्द्रकोश – सङ्कलनकर्ता: – पं. गणेशदत्त:, लाहौर।

(८) वैदिक इण्डेक्स – भाग –१, ए.ए. मैकडॉनल एवं ए.बी. कीथ, अनुवादक:– राजकुमार राय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, १९६२।

(९) शब्दार्थ चिन्तामणिकोश – श्री सुखानन्दनाथ:, १९४२।

(१०) शब्दार्थभानु – भानुदत्त विशारद:, लाहौर गवर्नमेन्ट सेन्ट्रल बोक डिपॉट, १९७५।

(११) शब्दकल्पद्रुम – स्यार राजा राधाकान्तदेव बहादुर, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी, १९४१।

(१२) शब्दस्तोममहानिधि – सङ्कलनकर्ता: – श्री तारानाथ भट्टाचार्य:, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी, द्वितीय संस्करण – १९६७।

(१३) संस्कृत– हिन्दी कोश – वामन शिवराम आप्टे, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स प्रा.लि., दिल्ली, १९४७।

(१४) वाचस्पत्यम् - (बृहत् संस्कृताभिधानम्), संकलन:– श्री तारानाथ तर्कवाचस्पति भट्टाचार्य, चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस, वाराणसी, वि.सं. २०१८, इ.स. १९३२।

(१५) हलायुधकोश – सम्पादक: –जयशङ्कर जोशी, सरस्वती भवन, वाराणसी, सूचना विभाग, उत्तरप्रदेश, १९५७।

(१६) हिन्दी विश्वकोश – खण्ड– ३,१०, रामप्रसाद त्रिपाठी, नागरी प्रसारिणी सभा, वाराणसी, १९६८।

(१७) हिन्दी विश्वकोश – खण्ड– ७, रामप्रसाद त्रिपाठी, नागरी प्रसारिणी सभा, वाराणसी, १९६६।

(१८) हिन्दी विश्वकोश – खण्ड– ११, रामप्रसाद त्रिपाठी, नागरी प्रसारिणी सभा, वाराणसी, १९६९।

(१९) हिन्दी विश्वकोश – भाग– ११,१३, श्री नागेन्द्रनाथ वसु, बी. आर. कॉरपोरेशन, दिल्ली, १९६८।

(२०) हिन्दी शब्दसागर – भाग – ९, श्यामसुन्दरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, १९७२।

पत्रिका

(१) शोध– पत्रिका – राजस्थान के दुर्ग विशेषाङ्क, अङ्क – ३–४, डॉ. देवीलाल पालीवाल साहित्य संस्थान, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर, १९८१।

(२) शोध–पत्रिका – Vastu Panorama 2004, Internation Conference (12-15 Feb. 2004, Indore), Organised by – Institute of VedicVastu and Research Fundation, Indore , (M.P.).

(३) स्वर सरिता – जलविशेषाङ्क पत्रिका– वर्ष – ४, अङ्क– २, प्रधान सम्पादकः प्रकाशकश्च – के. सी. मालू, धी डायमण्ड प्रिन्टिंग प्रेस, जयपुर, ऑगष्ट – २०११,